बुन्देलखण्ड के गौरव

महाराजा छत्रसाल बुन्देला

केशव प्रसाद गुरु 'मिश्रा'

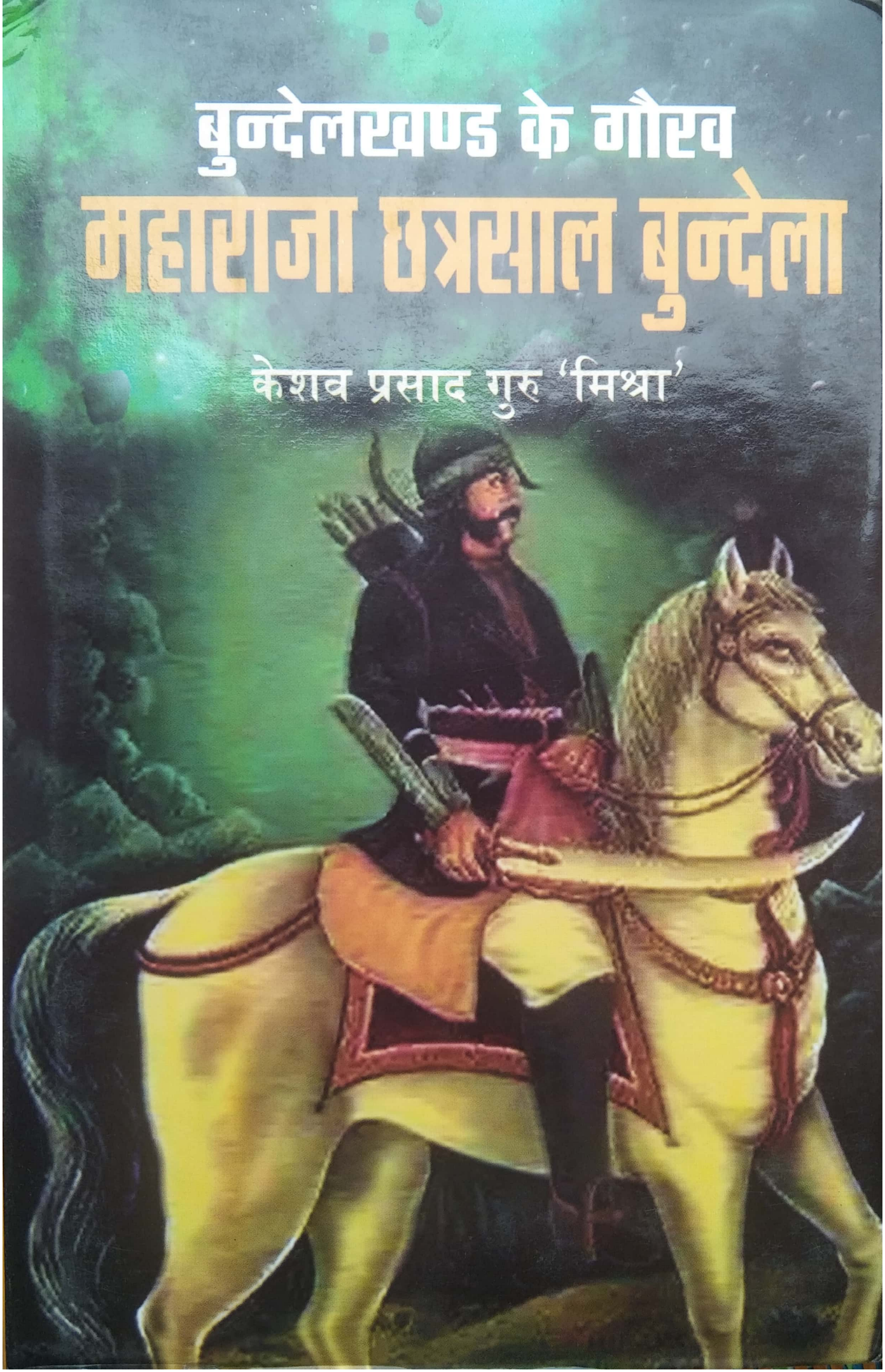

Scanned with OKEN Scanner

इतिहास के अतीत में अगर हम झाँककर देखें तो पूर्वकाल में हुए प्रतापी राजा-महाराजाओं ने अनेक किले, राजमहल, दुर्ग, शिलालेख एवं अनगिनत ऐतिहासिक स्थलों का निर्माण करवाया, जिन्हें देखकर या उनके वीरतापूर्ण कार्यों का अध्ययन कर उनकी यादों को हम अपने जेहन में बसाए हुए हैं। उन्हीं ऐतिहासिक स्थानों में से एक है 'बुंदेलखण्ड'।

वैसे तो बुंदेलखण्ड की आधारशिला में कई शूरवीरों के नाम अंकित हैं, लेकिन जिनके नाम से बुंदेलखण्ड का नाम इतिहास में उभरकर आया वह थे 'महाराजा छत्रसाल'। जिन्हें बुंदेलखण्ड के गौरव एवं वीर प्रतापी राजा के नाम से भी जाना गया है। जिन्होंने बाल्यकाल से लेकर अंतिम अवस्था तक जो वीरता एवं शौर्य का परिचय दिया, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।

प्रस्तुत पुस्तक 'बुंदेलखण्ड के गौरव महाराजा छत्रसाल' में वरिष्ठ इतिहासकार श्री केशव प्रसाद गुरु (मिश्रा) ने बुंदेलखण्ड के इतिहास के साथ-साथ महाराजा छत्रसाल तथा उनके वंशजों का सम्पूर्ण ब्योरा पेश किया है। जिसमें खासकर महाराजा छत्रसाल द्वारा स्वाधीनता का युद्ध सम्बन्धी जानकारी बेहद प्रशंसनीय है।

सिलसिलेवार ग्यारह अध्यायों के साथ पाद टिप्पणियाँ एवं संदर्भ ग्रंथ सूची सहित उक्त शोध ग्रंथ शोधार्थियों तथा सुधी पाठकों के लिए बहुपयोगी एवं इतिहास सम्बन्धी जानकारी हेतु 'मील का पत्थर' साबित होगा। श्री केशवप्रसाद गुरु (मिश्रा) द्वारा रचित शोध-ग्रंथ पठनीय एवं संग्रहणीय है।

—मनोज अरोड़ा 'इन्सां'
लेखक एवं समीक्षक
संपादक, साहित्य चन्द्रिका
जयपुर। +91-99280 01528

Scanned with OKEN Scanner

बुन्देलखण्ड के गौरव

महाराजा छत्रसाल बुन्देला

लेखक

केशव प्रसाद गुरु (मिश्रा)

डी.फिल. 'साहित्य श्री'

(सम्मानोपाधि)

साहित्यसागर प्रकाशन

Scanned with OKEN Scanner

उक्त पुस्तक 'बुन्देलखण्ड के गौरव महाराजा छत्रसाल बुन्देला' केंद्रीय हिंदी निदेशालय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, पश्चिमी खण्ड-7, आर.के.पुरम, नई दिल्ली) के संस्वीकृति-पत्र संख्या-5-21/2016 के. अनु. ए. दिनांक 26/12/2016 के माध्यम से प्राप्त वित्तीय सहायता से प्रकाशित हुई है। कॉपीराइट अनुदानग्राही के पास है।

Online Available on Amazon.in, लेजर टाइपसैटिंग सुनील कम्प्यूटर्स, मुद्रक हरीश ऑफसैट, जयपुर, संस्करण 2017, ISBN 978-93-83468-38-6

मूल्य ₹ 72/-

बुन्देलखण्ड के गौरव

महाराजा छत्रसाल बुन्देला

लेखक

केशव प्रसाद गुरु (मिश्रा)

प्रकाशक

साहित्यसागर प्रकाशन

धामाणी मार्केट की गली, चौड़ा रास्ता, जयपुर

0141-2310785, 4022382, 2322382, 3255629

e-mail: sahityasagarprakashan@gmail.com

website : sahityagar.com

webmail : mail@sahityagar.com

विशेष :-

पुस्तक को तैयार करने में पूर्ण सावधानी बरती गई है, फिर भी कहीं कोई त्रुटि रह जाना स्वाभाविक है। पुस्तक का लेखक करने का उद्देश्य जानकारी देना मात्र है तथा पुस्तक को उदाहरण के तौर पर पेश करने से पहले लेख की सत्यता को जानना एवं परखना आवश्यक है। किसी भी त्रुटि के लिए लेखक या प्रकाशक जिम्मेदार नहीं हैं।

Scanned with OKEN Scanner

विषय सूची

1.	बुन्देलखण्ड में चन्देलवंशीय सम्राटों का इतिहास	13-28
2.	बुन्देलों का बुन्देलखण्ड में प्रवेश एवं राज्य विस्तार बुन्देलखण्ड का गौरव	29-33
3.	जुझारसिंह का सम्राट शाहजहाँ से टकराव और अंत	34-46
4.	चम्पतराय द्वारा ओरछा राज्य के समर्थन में मुगलों से युद्ध, छत्रसाल का जन्म और चंपतराय का अंत	47-65
5.	छत्रसाल का शोक और मुगलों से बदला लेने का संकल्प तथा जयसिंह की सेना में भर्ती होना तथा शिवाजी से भेंट	66-71
6	छत्रसाल द्वारा स्वाधीनता का युद्ध प्रारंभ	72-88
7.	छत्रसाल की स्वामी प्राणनाथ से भेंट तथा स्वामी प्राणनाथ का परिचय	89-99
8.	छत्रसाल का दूसरे चरण का युद्ध और मुगल प्रदेशों पर छापे	100-123
9.	औरंगजेब की मृत्यु के पश्चात् छत्रसाल के सम्राट बहादुरशाह और अन्य उत्तराधिकारियों से सम्बन्ध	124-137
10.	महाराजा छत्रसाल पर मुहम्मद खाँ बंगश के दो आक्रमण, छत्रसाल की पराजय, उनका बंदी बनाया जाना और पेशवा बाजीराव प्रथम की त्वरित सहायता से छत्रसाल की विजय	138-152
11.	छत्रसाल की मृत्यु, उनका जीवन चरित्र और शासन व्यवस्था	153-162
12.	संदर्भ एवं पाद टिप्पणियाँ	163-166
13.	संदर्भ ग्रंथ सूची	167-168

Scanned with OKEN Scanner

केशव प्रसाद गुरु
(मिश्रा)

पिता : स्व. श्री सीताराम गुरु (पूर्व जमींदार ग्राम पटकुई सागर (म.प्र.) एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
माता : स्व. श्रीमती राजरानी गुरु
पत्नी : स्व. श्रीमती सुधारानी गुरु
जन्म : 28 नवम्बर 1932
शिक्षा : मैट्रिक 1951, इंटर आर्ट्स 1953, बी.ए.-तृतीय वर्ष 1954, साहित्य श्री डी. फिल.

सम्प्रति : सेवानिवृत्त कार्यालय अधीक्षक, डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर(म.प्र.)

प्रकाशित रचनाएँ:

1. समाचार पत्र 'वीर अर्जुन', नई दिल्ली में वर्ष 1959-1960 में कहानियों का प्रकाशन
2. दैनिक भास्कर भोपाल में वर्ष 1980-1982 के मध्य गजल, कविताओं का प्रकाशन
3. पत्रिका 'मंगलदीप' मुंबई (महाराष्ट्र) में वर्ष 1981-1995 के मध्य कहानियों, व्यंग्य कविताओं का प्रकाशन
4. समाचारपत्र 'नवभारत' नागपुर में वर्ष 1981-1988 के मध्य कहानियों, कविताओं एवं व्यंग्य लेखों का प्रकाशन
5. समाचारपत्र 'नवीन दुनिया' जबलपुर में 1981-1982 के मध्य ऐतिहासिक एवं व्यंग्य लेखों का प्रकाशन
6. आकाशवाणी छतरपुर एवं आकाशवाणी सागर से अनेक ऐतिहासिक एवं अन्य विषयों पर रेडियो वार्ताएँ प्रसारित
7. आकाशवाणी सागर अप्रैल, 2014 में 3 घंटों की रिकॉर्डिंग, जिसे आकाशवाणी दिल्ली एवं भोपाल से प्रसारित किया जायेगा
8. 'बुंदेलखंड के प्राचीन दुर्ग और गढ़ी' (केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय की सहायता से प्रकाशित पुस्तक)
9. **प्रकाशित पुस्तकें—**
   (1) वीर शिवाजी, (2) महान् सम्राट अकबर, (3) आलमगीर (4) सम्राट शाहजहाँ
   (5) झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई (6) नूरजहाँ
10. **प्रकाशनाधीन पुस्तक**
    1. प्लासी का युद्ध

फोन नं : 07582-289344

978-81-7932-063-1
9 788179 320631

Scanned with OKEN Scanner